1. भाषा एवं व्याकरण
(Language and Grammar)

भाषा

हम सभी अपनी बात दूसरों को बताते हैं, दूसरों की सुनकर उनकी बात समझते हैं। इसके लिए हम कभी-कभी संकेत भी करते हैं। जैसे मुँह पर उँगली रखी, मतलब शान्त हो जाओ। चौराहे पर लगी लाल बत्ती देखकर हम रुक जाते हैं, हरी बत्ती हुई, हम चल देते हैं। किंतु संकेतों की एक सीमा होती है। इसलिए संकेतों द्वारा मन के सभी भावों और विचारों को प्रकट नहीं किया जा सकता है। इसलिए संकेतों को भाषा नहीं कहा जा सकता।

तो फिर भाषा क्या है? इसकी आवश्यकता क्यों पड़ी? मनुष्य अपने विचारों व अनुभवों को प्रकट करने के लिए बोलकर और लिखकर समझाते हैं। सुनकर और पढ़कर हम समझते हैं।

पढ़कर

लिखकर

बोलकर-सुनकर समझी गई बात को ही भाषा कहते हैं।

भाषा को चिह्नों द्वारा लिखा व पढ़ा भी जा सकता हैं। संसार में अनेक भाषाएँ बोली व लिखी जाती हैं। जैसे भारत में ही हिंदी, पंजाबी, गुजराती, बंगाली, मराठी, गढ़वाली आदि, जर्मनी में जर्मन, जापान में जापानी, चीन में चीनी, इंग्लैंड में अंग्रेज़ी आदि- आदि।
भारत की राष्ट्र भाषा हिंदी है और अंतर्राष्ट्रीय भाषा अंग्रेज़ी है।

भाषा के दो रूप होते हैं:-

मौखिक भाषा

मौखिक भाषा में विचारों का आदान प्रदान बोलकर और सुनकर किया जाता है।

लिखित भाषा

लिखित भाषा में विचारों का आदान-प्रदान लिखकर और पढ़कर किया जाता है।

15. विलोम शब्द
(Antonyms)

देखिए, पढ़िए और समझिए:-

चित्र-1

चित्र-2

ऊपर दिए गए चित्रों को ध्यान से देखने पर पता चलता है कि गरमी और सरदी तथा- घृणा और प्रेम एक दूसरे के विपरीत अर्थ, गुण और स्वभाव को प्रकट कर रहे हैं।

जैसे पहले चित्र में-

गरमी - मौसम गर्म है (पंखा/कूलर/ की आवश्यकता पड़ रही है, आइसक्रीम आदि खा रहे हैं?)

सरदी - मौसम ठंडा है (स्वेटर आदि गरम कपड़े पहनने पड़ रहे हैं। गरम-गरम चाय, कॉफी पी रहे हैं।)

वैसे ही दूसरे चित्र में-

घृणा - गन्दगी को देखकर या चारों तरफ से आती बदबू से हम परेशान हो जाते हैं और उन वस्तुओं से घृणा करते हैं।

प्रेम - जबकि प्रेम से पता चल रहा है कि मन में प्यार है, दूसरे के प्रति सहानभूति है, दया का भाव है।

जो शब्द एक दूसरे के विपरीत या उलटे अर्थ बताएँ, उन्हें विलोम शब्द कहते हैं।

19. मुहावरे
(Idioms)

देखिए पढ़िए समझिए:-

1. शिवाजी ने मुगलों से युद्ध के मैदान में डट कर मुकाबला किया।

2. शिवाजी ने मुगलों से युद्ध के मैदान में लोहा लिया।

1. बेईमान केशव को रुपए देकर रामू ने अपना नुकसान स्वयं कर लिया।

2. बेईमान केशव को रुपए देकर रामू ने अपने पाँव पर आप ही कुल्हाड़ी मार ली।

ऊपर दिए गए वाक्यों में डट कर मुकाबले के लिए मैदान में लोहा लेना, अपना नुकसान स्वयं करने के लिए अपने पाँव पर आप ही कुल्हाड़ी मारना, जैसे शब्दों का प्रयोग किया गया है, जो साधारण अर्थ को विशेष अर्थ दे रहे हैं। ये कथन मुहावरे कहलाते हैं। मुहावरों के प्रयोग से भाषा रोचक और प्रभावशाली हो जाती है।

अपने प्रचलित अर्थ को छोड़कर विशेष अर्थ में प्रयोग किया जाने वाला वाक्यांश या शब्द समूह मुहावरा कहलाता है।